भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

01 जून, 2015

अदानी के खिलाफ आस्ट्रेलिया के मूलवासियों के समर्थन में

देश के बडे औद्योगिक घरानों में से एक व प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के खासमखास अदानी ग्रुप द्वारा आस्ट्रेलिया के मूलवासियों के जल–जंगल–जमीन व संसाधनों की लूट के खिलाफ वहां के मूलवासियों ने आन्दोलन का रास्ता अपनाया जोकि जल–जंगल–जमीन व संसाधनों पर जनता के अधिकार की विश्वव्यापी लड़ाई का अभिन्न हिस्सा है। आस्ट्रेलिया के क्वीन्स लैंड में अदानी ग्रुप द्वारा 19 हजार 500 करोड़ का पूंजी निवेश करके कोयला खदान 'विकसित' करने के खिलाफ मूलवासियों ने अदालत का दरवाजा भी खटखटाया है। हमारी पार्टी अदानी के खिलाफ जारी आस्ट्रेलिया के मूलवासियों के संघर्ष से काफी उत्साहित व उत्तेजित है और उनका तहेदिल से समर्थन करती है और मूलवासियों का आह्वान करती है कि वे अदानी की परियोजना को बंद कराने अपने आन्दोलन को जारी रखें व तेज करें।

अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी के बढ़ते संकट के बोझ को उत्पीडित देशों की जनता के कंधों पर लादने की साजिश के तहत वहां की प्राकृतिक संपदाओं व संसाधनों को लूटने के लिए बडी खनन परियोजनाओं, बडे कारखानों, बडे बांधों, विशेष आर्थिक जोनों आदि से संबंधित ढ़ेरों एमओयु किये जा रहे हैं और ऐसी परियोजनाओं के अमल को तेज करने भारत में पाशविक दमन अभियान–ऑपरेशन ग्रीन हंट के हमलों में बढ़ोत्तरी की जा रही है। भारत के आदिवासी बहुल वन इलाकों की संपदाओं, खासकर जल–जंगल–जमीन व संसाधनों पर अपने अधिकार को कायम करने यहां के मूलवासी टाटा, एस्सार, जिंदल, मित्तल, नेको, वेदांता, पोस्को, सालेम, टीपीजी आदि देशी, विदेशी बडे कॉरपोरेट घरानों के खिलाफ संगठित व जुझारु जन आन्दोलन कर रहे हैं। इनमें से अधिकांश जगहों पर जनता हमारी पार्टी के नेतृत्व में जन आन्दोलन व जनयुद्ध के बेहतर तालमेल के साथ लड़ रही है। दण्डकारण्य एवं बिहार–झारखंड में स्वयं शासन व सही विकास के लिए शोषक सरकारों की सत्ता को खत्म करके भ्रूण रूप में जनराजसत्ता–जनता ना सरकारों का गठन करके, उनका विस्तार करने की कोशिश किया जा रहा है।

भारत का दलाल पूंजीपति वर्ग अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी की सेवा करने व उसकी लूट में अपनी दलाली व हिस्सेदारी को हासिल करने के तहत दुनिया के पिछडे व अन्य देशों में पूंजी निवेश कर रहा है। जब से मोदी भारत में सत्तारूढ़ हुए, तब से अपने चहेते पूंजीपतियों को देश, विदेशों में जमीन, खदान, ठेका, लीज दिलाने व पूंजी निवेश के अवसर उपलब्ध कराने एडी चोटी का जोर लगा रहे हैं। आस्ट्रेलिया के क्वीन्स लैंड में अदानी द्वारा कोयला खान परियोजना को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। ऐसी परियोजना से मूलवासियों के सामाजिक जीवन पर बुरा असर तो पडेगा ही, साथ में उनके विस्थापन की समस्या भी सामने आयेगी। पर्यावरण संतुलन बुरी तरह बिगड जायेगा। मूलवासियों का आर्थिक जीवन, जीवन शैली, सांस्कृतिक जीवन, सामाजिक ताना–बाना सब कुछ तहस–नहस हो जायेगा। शोषक–शासक वर्गों को आम जनजीवन से कोई लेना–देना तो है नहीं। उन्हें सिर्फ और सिर्फ मुनाफे, अत्यधिक मुनाफे से ही मतलब है। हमारी पार्टी अदानी के खिलाफ संघर्षरत मूलवासियों से एकबार और अपील करती है कि वे संघर्ष की राह पर मजबूती से डटे रहे। हमारी पार्टी यह ऐलान करती है कि अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी के शोषण व दमन के खिलाफ संघर्ष में हम दुनिया की उत्पीड़ित जनता के साथ हैं। इस संघर्ष में कानूनी, जन आन्दोलन व हथियारबंद लड़ाई सभी रूपों का इस्तेमाल करें। हमारी पार्टी भारत व दुनिया के तमाम मजदूरों, किसानों, मूलवासियों, आदिवासी सामाजिक संगठनों व मानवाधिकार संगठनों का आह्वान करती है कि वे अदानी ग्रुप के खिलाफ संघर्षरत आस्ट्रेलिया के मूलवासियों की हर संभव मदद् करें।

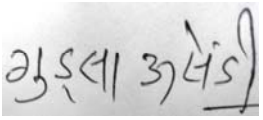

(गुड्सा उसेण्डी)

प्रवक्ता,

दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी,

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)